Padma Bhushan

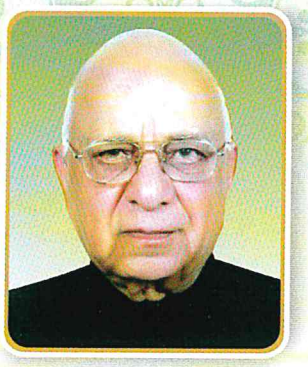

Dr. Subhash C. Kashyap

Dr. Subhash C. Kashyap is a well known author and an advocate. He is known nationally as well as internationally as an outstanding authority on constitutional and parliamentary matters including framing of the Constitution. He is often consulted on constitutional & parliamentary matters. He is frequently invited in India and abroad to advise and lecture as an independent constitutional expert. His opinion is widely sought by national and foreign electronic & print media.

2. Born on May 10, 1929, Dr. Kashyap received his B.A., M.A., LL.B. & D.Phil. degrees from Allahabad University. He began his professional career as an Asstt. Prof. at the University & as a Journalist. He took Advocate's training at the Allahabad High Court but joined parliamentary service during the first Lok Sabha. He was In charge of the 5-vol. IIPA project on Framing of India's Constitution and Director of several institutions like the Institute of Constitutional & Parliamentary Studies, Bureau of Parliamentary Studies & Training, Parliamentary Museum & Archives and Parliamentary Library & Research Reference, Documentation & Information Service.

3. As an International Civil Servant, Dr. Kashyap headed the CIDP & was Secretary (Political) at IPU, Geneva. After over 37 years' service and longest stay as Secretary-General Lok Sabha, he took voluntary retirement. Later, he was Hon. Constitutional Advisor to Govt. of India on PRI laws, Chairman/Member of several high level Committees in fields of law & education; Member, Governing Boards of Auroville Foundation & Indian Council of Social Science Research. He was Member & Chairman Drafting Committee of the National Commission to Review the Working of the Constitution. He was elected to the Board of Directors of the International IDEA at Stockholm for three years. He has been on Advisory/Governing Boards of a number of national and international organisations, journals, institutes, universities etc. and was on the Committee for the selection of the Most Outstanding Parliamentarian of the year and also on several committees for selection of Vice-Chancellors of Universities.

4. Dr. Kashyap's works in English & Hindi exceed 100. Several of them have been translated into many languages. His seminal and oft-cited multi-vol. works include Constitutional Law of India, Parliamentary Procedure, History of Parliament etc. He has contributed over 700 research papers and articles to prestigious volumes, journals & national dailies. He has been Editor of South Asia Politics (M), Indian Social Science Review (Q), Politics India (M), Journal of Constitutional and Parliamentary Studies (Q), Loktantra Samiksha (Q), Journal of Parliamentary Information (Q), Conparlist (M), Prabhat (M), Sansadiya Patrika (Q) etc.

5. Dr. Kashyap has received various awards & honours including Vidur Samman, Rajiv Smriti Samman, Vidhi Seva Samman, Param Vishist Seva Award, Samvidhan Shromani, Ambassador of Peace, Great Son of the Soil, Commander of the Honorary Order of the Academy of San Francisco, US Congressional Fellow of APSA, Fellow of the Academy of American & Constitutional Law, UNDP Fellow & Consultant, Nehru Fellow etc. He received several first prizes from the Central and State Govts. for best books in Law & Politics.

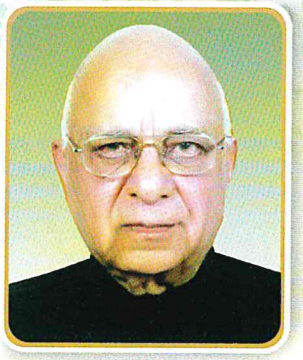

डॉ. सुभाष काश्यप

डॉ. सुभाष काश्यप, सुविख्यात लेखक और अधिवक्ता हैं। आपको राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संविधान तैयार करने सहित संवैधानिक और संसदीय मामलों में विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। संवैधानिक और संसदीय मामलों में अक्सर आपसे परामर्श लिया जाता है। निष्पक्ष संवैधानिक विशेषज्ञ के रूप में सलाह और व्याख्यान देने के लिए अक्सर आपको भारत और विदेशों में आमंत्रित किया जाता है। राष्ट्रीय और विदेशी इलैक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया द्वारा व्यापक रूप से आपकी राय ली जाती है।

2. आपका जन्म मई 10, 1929 को हुआ। आपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी.ए., एम.ए. एलएल.बी. और डी.फिल. की डिग्रियां प्राप्त कीं। आपने विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर और जर्नलिस्ट के रूप में अपना पेशेवर कॅरिअॅर शुरू किया। आपने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता का प्रशिक्षण लिया लेकिन पहली लोक सभा के दौरान संसदीय सेवा ज्वॉइन की। आप भारत के संविधान को तैयार करने के लिए 5-खड. आईआईपीए परियोजना के प्रभारी और संवैधानिक और संसदीय अध्ययन संस्थान, संसदीय अध्ययन और प्रशिक्षण ब्यूरो, संसदीय संग्रहालय ओर लेखागार और संसदीय पुस्तकालय और अनुसंधान संदर्भ, प्रलेखीकरण और सूचना सेवा जैसे कई संस्थानों के निदेशक थे।

3. इंटरनेशनल सिविल सर्वेंट के रूप में आपने सी आई डी पी की अध्यक्षता की और आई पी यू, जिनेवा में सचिव (राजनीतिक) थे। 37 वर्ष से अधिक सेवा और सबसे अधिक समय तक लोक सभा के महासचिव रहने के बाद आपने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली। बाद में आप पी आर आई क़ानूनों के संबंध में भारत-सरकार के मानद संवैधानिक सलाहकार, क़ानून और शिक्षा के क्षेत्र में कई उच्च स्तरीय समितियों के अध्यक्ष/सदस्य; औरोविले फाउंडेशन एंड इंडियन काउंसिल ऑव सोशल साइंस रिसर्च के शासी बोर्ड के सदस्य रहे। आप, संविधान के कार्यकरण की समीक्षा करने संबंधी राष्ट्रीय आयोग की प्रारूपण समिति के सदस्य और अध्यक्ष थे। इंटरनेशनल आई डी ई ए, स्टॉकहोम के निदेशक मंडल में आपका चयन तीन वर्ष के लिए किया गया था। आप कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, पत्रिकाओं, संस्थानों, विश्वविद्यालयों आदि के सलाहकार/शासी बोर्डों में रहे हैं और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ सांसद चुनने की समिति तथा विश्वविद्यालयों के कुलपति चुनने की कई समितियों में भी रहे।

4. अंग्रेजी और हिंदी में आपकी 100 से अधिक कृतियां हैं। इनमें से कई कृतियों का अनुवाद कई अन्य भाषाओं में किया गया है। आपकी सारगर्भित और अक्सर उद्धृत बहु-खंडीय कृतियों में भारत का संवैधानिक क़ानून, संसदीय क्रियाविधि, संसद का इतिहास आदि शामिल हैं। आपने प्रतिष्ठित ग्रंथों, पत्रिकाओं और राष्ट्रीय दैनिक समाचार-पत्रों में 700 से अधिक दस्तावेजों और लेखों में योगदान किया है। आप साउथ एशिया पॉलिटिक्स (एम), इण्डियन सोशल साइंस रिव्यू (क्यू), पॉलिटिक्स इण्डिया (एम), जर्नल ऑव कांस्टिट्यूशनल एण्ड पार्लियामेंटरी स्टडीज़ (क्यू), लोकतंत्र समीक्षा (क्यू), जर्नल ऑव पार्लियामेंटरी इंफार्मेशन (क्यू), कोंपरलिस्ट (एम), प्रभात (एम), संसदीय पत्रिका (क्यू) आदि के संपादक रहे।

5. आपको कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए जिनमें विदुर सम्मान, राजीव स्मृति सम्मान, विधि सेवा सम्मान, परम विशिष्ट सेवा पुरस्कार, संविधान शिरोमणि, शांति के राजदूत, ग्रेट सन ऑव द सॉइल, कमांडर ऑव द ऑनरेरी ऑर्डर ऑव द अकादमी ऑव सैन फ्रैंसिस्को, यू एस कांग्रेसनल फैलो ऑव ए पी एस ए, फैलो ऑव द अकादमी ऑव अमेरिकन एंड कांस्टिट्यूशनल लॉ, यू एन डी पी फैलो एंड कंसल्टेंट, नेहरू फैलो आदि शामिल हैं। आपको क़ानून और राजनीति की श्रेष्ठ पुस्तकों के लिए केन्द्र और राज्य-सरकारों से कई प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।